गुरुवार, 11 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

शुभमन गिल ने मारी छलांग, यशस्वी जायसवाल नीचे गए

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'अल्फा' का टीज़र जारी सोशल मीडियापर छाया एक्शन अवतार

Page-05

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4,399 दिन पूरे कर लोकतांत्रिक रूप से चुने गए भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया।उन्होंने इस मामले में पंडित जवाहरलाल नेहरू को पीछे छोड़ दिया और भारतीय राजनीति में नया इतिहास रचा।इस उपलब्धि के बीच भाजपा की चुनावी सफलताओं और केंद्र में 12 वर्षों से अधिक के नेतृत्व को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा

सबसे लंबे कार्यकाल वाले पीएम बने मोदी

भारतीय राजनीतिक इतिहास में आज का दिन एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को लोकतांत्रिक रूप से चुनकर आने वाले भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने अपने ऐतिहासिक कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के एक विशेष रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।पंडित नेहरू अगस्त 1947 से मई 1964 में अपने निधन तक इस पद पर रहे, लेकिन उनके शुरुआती कार्यकाल में1951-52 के पहले आम चुनाव से पूर्व का अंतरिम (Non-elected) दौर भी शामिल था। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश की सेवा लगभग 16 सालों तक की, लेकिन उनका यह कार्यकाल दो अलग-अलग अंतरालों में बंटा हुआ था। ऐसे में, लगातार लोकतांत्रिक जनादेश के जरिए पद पर बने रहने के मामले में पीएम मोदी अब शीर्ष पर पहुंच गए हैं।पीएम मोदी की यह अभूतपूर्व उपलब्धि केंद्र सरकार के मुखिया के तौर पर उनके सफल नेतृत्व के 12 साल से अधिक के सफर को रेखांकित करती है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने न केवल देश की प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में अपनी स्थिति को फौलादी बनाया, बल्कि नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार करते हुए समाज के हर वर्ग और समुदाय में अपना जनाधार मजबूत किया है।यह मील का पत्थर ऐसे समय पर आया है, जब हाल ही में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भाजपा को प्रचंड जीत हासिल हुई है। विशेष रूप से, आजादी के बाद यह पहला मौका है जब भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बहुमत के साथ सरकार बनाई है। इस दोहरी जीत ने पार्टी और गठबंधन के कार्यकर्ताओं के उत्साह को दोगुना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा "140 करोड़ देशवासियों के अटूट आशीर्वाद और 'राष्ट्र प्रथम' की मूल भावना के साथ, हमारी सरकार ने देश के युवाओं, महिलाओं, श्रमिकों और किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे (Infrastructure) के निर्माण से लेकर अभूतपूर्व डिजिटल क्रांति तक, भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और बुलंद पहचान बनाई है। यह सफर देश के विश्वास की जीत है।"

मोदी के नए कीर्तिमान पर वैश्विक नेताओं ने दी शुभकामनाएँ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारतीय इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर दुनिया भर से उन्हें बधाई संदेश मिल रहे हैं। 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के साथ ही उन्होंने लगातार सबसे अधिक समय तक प्रधानमंत्री पद संभालने का नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस उपलब्धि पर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों, सांसदों और सार्वजनिक हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएँ दी हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमारा दिसानायके ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और भारत-श्रीलंका संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी संदेश में कहा गया कि राष्ट्रपति ने भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर नरेंद्र मोदी को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। श्रीलंका ने अपने संदेश में यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने घनिष्ठ और स्थायी संबंधों को आगे भी मजबूत किया जाएगा। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को उनके नेतृत्व और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक पड़ाव भारत के विकास, समृद्धि और वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव में मोदी के लंबे समय से दिए जा रहे योगदान को दर्शाता है।

एयर इंडिया का कहना है कि जांच AAIB स्वतंत्र रूप से कर रही है

एयर इंडिया ने बुधवार को एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि उसने AI-171 विमान हादसे के पीड़ितों के परिवारों पर आधिकारिक जांच रिपोर्ट आने से पहले अंतिम मुआवज़ा पैकेज स्वीकार करने के लिए कोई दबाव नहीं डाला है। एयर इंडिया का यह स्पष्टीकरण तब आया है जब गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी (जिनकी इस हादसे में मौत हो गई थी) की बेटी राधिका मिश्रा ने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि एयर इंडिया पीड़ितों के परिवारों पर अंतिम मुआवज़ा पाने के बदले एयरलाइन पर मुकदमा करने का अपना अधिकार छोड़ने के लिए दबाव डाल रही है। आरोप के जवाब में एयरलाइन ने साफ़ किया कि किसी भी पीड़ित परिवार या व्यक्ति पर तय समय के अंदर आर्थिक मदद के ऑफ़र स्वीकार करने का कोई 'दबाव या डेडलाइन' नहीं है। हादसे में हुई मौतों और उसके बाद हुई तकलीफ़ों पर दुख जताते हुए, एयर इंडिया ने जांच की समय-सीमा से जुड़ी चिंताओं पर बात की और ज़ोर दिया कि पीड़ित परिवार अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक 'इंतज़ार करने के लिए आज़ाद' हैं। एयरलाइन ने यह भी बताया कि जांच 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो' (AAIB) स्वतंत्र रूप से कर रहा है, और इसलिए एयर इंडिया को पहले से यह पता नहीं है कि जांच के नतीजे कब सार्वजनिक किए जाएंगे। एयरलाइन ने कहा कि अंतिम मुआवज़े की प्रक्रिया अक्टूबर 2025 में शुरू हुई, जब ज़्यादातर अंतरिम भुगतान पूरे हो चुके थे और क्लेम फ़ॉर्म बांटे जा चुके थे। इसके बाद, एयर इंडिया ने बताया कि वह उन परिवारों के साथ खुलकर बातचीत कर रही है जो इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहते हैं। एयर इंडिया ने आगे कहा कि परिवारों को तुरंत आर्थिक मदद लेने या जांच रिपोर्ट का इंतज़ार करने में से किसी एक को चुनने के लिए दबाव महसूस करने की कोई वजह नहीं है, और एयरलाइन ने अपनी मूल कंपनी द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों का भी ज़िक्र किया।

अभिजीत दीपके ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षाओं में बार-बार हुई गड़बड़ियों से देश भर के लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। दीपके ने यहां प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश के युवा अब छात्रों से जुड़े मुद्दों पर चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा, "एक बात तो अब साबित हो गई है... इस देश के युवा अब डरेंगे नहीं और पीछे नहीं हटेंगे। अब तक, नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों के कारण कई छात्र कथित तौर पर आत्महत्या कर चुके हैं।" दीपके ने दावा किया कि नीट, सीबीएसई और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं से जुड़ी समस्याओं के कारण एक करोड़ से ज्यादा छात्र परेशान हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई भी तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, "हमने छह जून को दिल्ली में जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन किया था और मांग की थी कि धर्मेंद्र प्रधान तुरंत इस्तीफा दें। किसी न किसी को तो जिम्मेदारी लेनी ही होगी। जो छात्र डॉक्टर बनकर लोगों की जान बचा सकते थे, वे व्यवस्था की नाकामी के कारण अपनी जान गंवा बैठे।" दीपके ने कहा कि उनके संगठन ने मंत्री से शनिवार तक इस्तीफा देने की मांग की है और ऐसा न करने पर देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, "अगर इस्तीफा नहीं दिया गया, तो हम देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। इसकी शुरुआत पुणे से होगी। हम बृहस्पतिवार (11 जून) को शाम चार बजे पुणे में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद लखनऊ, अमृतसर, जयपुर और बेंगलुरु में भी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।"

बड़े आंदोलन की अपनी योजना के बारे में उन्होंने कहा कि अगर प्रधान पद नहीं छोड़ते हैं, तो 20 जून को देश भर से युवा दिल्ली में इकट्ठा होंगे।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज कर दिया गया

राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन का नामांकन जांच प्रक्रिया के दौरान खारिज कर दिया गया है, जिससे राज्य की तीसरी राज्यसभा सीट के लिए उनकी दावेदारी समाप्त हो गई है। खबरों के मुताबिक, नटराजन ने अपने नामांकन पत्रों में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित आपराधिक मामले से संबंधित जानकारी छिपाई थी। अदालत से प्राप्त दस्तावेजों से सामने आए घटनाक्रम ने कांग्रेस खेमे में सनसनी मचा दी है। इससे पहले भाजपा ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन के खिलाफ रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई। भाजपा का आरोप है कि उन्होंने तेलंगाना में चल रही एक कानूनी कार्यवाही से संबंधित जानकारी छिपाई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मोहन यादव सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि नटराजन से जुड़ा एक मामला तेलंगाना की अदालत में लंबित है, जिसका खुलासा उन्होंने अपने नामांकन पत्र में नहीं किया। भाजपा ने नटराजन की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की थी और तर्क दिया है कि जानकारी छिपाना चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन है।

TMC सांसद प्रकाश चिक बारिक का राज्यसभा से इस्तीफा

तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर छिड़ा आंतरिक विद्रोह अब पूरी तरह बेकाबू होता नजर आ रहा है। गुरुवार को पार्टी को एक और करारा झटका लगा जब राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बारिक ने उच्च सदन (Upper House) की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। पिछले महज एक हफ्ते के भीतर संसद से इस्तीफा देने वाले वे टीएमसी के तीसरे राज्यसभा सांसद हैं। बारिक से पहले सोमवार को दिग्गज नेता सुखेंदु शेखर रॉय और बुधवार को सुष्मिता देव ने अपने पदों से इस्तीफा देकर टीएमसी नेतृत्व को हिलाकर रख दिया था। बारिक के इस्तीफ़े के साथ, राज्यसभा में पार्टी की संख्या घटकर 10 सांसद रह जाएगी। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि अगले हफ़्ते के अंदर TMC के तीन और राज्यसभा सांसद इस्तीफ़ा दे सकते हैं, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के लिए संकट और गहरा सकता है। TMC सांसदों के बीच संकट की शुरुआत सोमवार को ममता बनर्जी के भरोसेमंद सहयोगी सुखेंदु शेखर रॉय के इस्तीफ़े से हुई। उस समय TMC प्रमुख दिल्ली में INDIA ब्लॉक के नेताओं (जिनमें सोनिया गांधी भी शामिल थीं) के साथ कई बैठकें कर रही थीं। वे BJP के ख़िलाफ़ राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की रणनीति बनाने और 2026 के विधानसभा चुनावों में हार के बाद पार्टी के भविष्य की दिशा पर चर्चा कर रही थीं। जैसे ही विधानसभा में ममता का खेमा ताश के पत्तों की तरह ढहने लगा, बगावत जल्द ही दिल्ली तक फैल गई। राज्यसभा में, रॉय -- जिन्होंने 13 साल तक उच्च सदन में पार्टी के मुख्य सचेतक (चीफ़ व्हिप) के तौर पर काम किया था -- ने इस्तीफ़ों का सिलसिला शुरू किया। उनके बाद बुधवार को सुष्मिता देव और गुरुवार को बारिक ने इस्तीफ़ा दिया। अब सूत्रों का कहना है कि अगले हफ़्ते के अंत तक तीन और सांसद पार्टी छोड़ सकते हैं। हालाँकि, यह संकट सिर्फ़ बंगाल विधानसभा और राज्यसभा तक ही सीमित नहीं रहा। यह जल्द ही तेज़ी से लोकसभा तक भी फैल गया। बुधवार को जब ममता दिल्ली का अपना तीन दिन का दौरा खत्म करके कोलकाता लौटीं, तो सूत्रों ने पार्टी के उन 19 लोकसभा सांसदों के नाम बताए जो कथित तौर पर उनसे अलग होकर NDA में शामिल होना चाहते हैं।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई–पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई–पेपर

विज्ञापन दर

साईज़	बिजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4– अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका पर दुनिया की नजर

मोदी-ट्रंप मुलाकात से संबंधों को मिल सकती है नई दिशा

जी-7 सम्मेलन में भारत की भागीदारी यह दर्शाती है कि विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देख रही हैं। भले ही भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उसे विशेष आमंत्रित देश के रूप में लगातार बुलाया जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कनाडा में आयोजित होने जा रहे जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले भारत की कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित यात्रा को भारत की विदेश नीति और वैश्विक रणनीति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच संभावित द्विपक्षीय बैठक पर विशेष नजर बनी हुई है। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और वीजा व्यवस्था जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।भारत और अमेरिका के संबंध पिछले कुछ वर्षों में लगातार मजबूत हुए हैं। रक्षा, तकनीक, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है। ऐसे में जी-7 सम्मेलन के दौरान होने वाली संभावित बैठक को दोनों देशों के संबंधों में एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार व्यापार समझौते से जुड़े कुछ लंबित मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है, जिससे दोनों देशों के कारोबारी संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी वीजा नीति, विशेषकर एच-1बी वीजा, भारतीय पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। भारत लंबे समय से कुशल भारतीय कर्मचारियों और छात्रों के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग करता रहा है। ऐसे में यह मुद्दा भी बैठक के एजेंडे में शामिल हो सकता है। इसके अलावा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और चीन की बढ़ती गतिविधियों पर भी दोनों देशों के बीच विचार-विमर्श होने की संभावना है।जी-7 सम्मेलन में भारत की भागीदारी यह दर्शाती है कि विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देख रही हैं। भले ही भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उसे विशेष आमंत्रित देश के रूप में लगातार बुलाया जा रहा है। इससे वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका और प्रभाव का संकेत मिलता है।अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि यह यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर भारत की स्थिति को भी मजबूती से सामने रखने का अवसर प्रदान करेगी। यदि मोदी और ट्रंप के बीच प्रस्तावित बैठक सफल रहती है, तो इसका प्रभाव आने वाले वर्षों में भारत-अमेरिका संबंधों, व्यापारिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकता है। जी-7 सम्मेलन से पहले दोनों देशों के कूटनीतिक हलकों में इसी संभावित मुलाकात को लेकर सबसे अधिक चर्चा हो रही है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाके में किए हवाई हमले

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाके में हवाई हमले किए हैं, जिसमें 11 बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई है और 14 लोग बुरी तरह से घायल हैं। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने उसती सीमा में घुसकर हमले किए हैं, जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग की जान चली गई है। पाकिस्तान की तरफ से ये हमले अफगानिस्तान के कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों के रिहायशी इलाकों में किया गया है। अफगानिस्तान की सरकार ने पाकिस्तान की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है और इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन बताया है। अफगान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, पाकिस्तानी हमलावर सेना ने मंगलवार की देर रात एक बार फिर अफगानिस्तान की संप्रभुता का खुलेआम उल्लंघन किया और हवाई हमले में कई लोगों की जान चली गई। जबीउल्लाह ने आगे बताया कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान के तीन प्रमुख प्रांतों- कुनार, खोस्त और पक्तिका में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया है और इन इलाकों में रहने वाले आम नागरिकों के घरों पर अंधाधुंध बमबारी की गई है, जिससे कई घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों देशों के बीच काफी वक्त से लड़ाई चल रही है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। अफगानिस्तान ने 13 लोगों की मौत की पुष्टि की है जबकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों के बारे में तुरंत कोई पुष्टि नहीं की गई है।

भीषण गर्मी के बीच उत्तर भारत को राहत की उम्मीद,कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उत्तर भारत के अधिकांश हिस्से इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। कई राज्यों में तापमान 44 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हालांकि भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं। विभाग के अनुसार 11 जून से उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में बारिश, आंधी और तेज हवाओं की गतिविधियां बढ़ सकती हैं, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार शाम अचानक धूल भरी आंधी चलने के बाद मौसम का मिजाज बदलता नजर आया। कई इलाकों में तेज हवाएं चलीं और आसमान में धूल का गुबार छा गया। इसके बाद मौसम विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारत में मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है।उत्तर प्रदेश में भी मौसम के बदले तेवर देखने को मिल सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश में 11 से 14 जून के बीच गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने और खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों में जाने से बचने की सलाह दी है। किसानों को भी मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाने को कहा गया है।दूसरी ओर दक्षिण भारत में मानसून पूरी तरह सक्रिय बना हुआ है। केरल, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु के कई हिस्सों में लगातार वर्षा दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून सामान्य गति से आगे बढ़ रहा है और जल्द ही देश के अन्य हिस्सों को भी कवर कर सकता है।

कांगो में इबोला संक्रमण ने बढ़ाई चिंता स्वास्थ्य एजेंसियां हाई अलर्ट पर

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अफ्रीकी देश लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप एक बार फिर गंभीर रूप लेता दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार देश के पूर्वी हिस्सों में संक्रमण के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे स्थानीय प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में अब तक 550 से अधिक लोगों में संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।कांगो के उत्तरी किवू और इतुरी प्रांत संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित बताए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और दूरदराज के इलाकों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने में आने वाली कठिनाइयों के कारण संक्रमण पर नियंत्रण चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। कई गांवों में स्वास्थ्य कर्मियों की टीमें घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रही हैं और संक्रमित मरीजों को उपचार केंद्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थाएं भी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा उपकरण, दवाइयां और विशेषज्ञों की टीमें भेजी जा रही हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उन्हें निगरानी में रखने का अभियान तेज कर दिया है ताकि संक्रमण के फैलाव को रोका जा सके।इबोला एक अत्यंत घातक वायरल बीमारी मानी जाती है, जो संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क में आने से फैलती है। बीमारी के लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, उल्टी और गंभीर मामलों में आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं। समय पर उपचार न मिलने पर मृत्यु का खतरा काफी बढ़ जाता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि संक्रमण को सीमित क्षेत्रों में नियंत्रित नहीं किया गया तो यह पड़ोसी देशों तक भी फैल सकता है।

रूस पर नए प्रतिबंधों की तैयारी

यूरोपीय संघ का 21वां पैकेज प्रस्तावित

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

यूरोपीय संघ (EU) ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का एक नया और व्यापक पैकेज प्रस्तावित किया है। यूक्रेन युद्ध को लेकर जारी तनाव के बीच यूरोपीय आयोग ने रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से यह 21वां प्रतिबंध पैकेज सदस्य देशों के समक्ष रखा है। प्रस्ताव में रूस के ऊर्जा, बैंकिंग, रक्षा और तकनीकी क्षेत्रों को निशाना बनाने की योजना शामिल है।यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि रूस पर दबाव बनाए रखना आवश्यक है ताकि वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का सम्मान करे और संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाए। नए प्रस्ताव में रूसी तेल के निर्यात पर निगरानी को और सख्त बनाने, कुछ बैंकों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने तथा प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे वैकल्पिक व्यापारिक नेटवर्क पर कार्रवाई करने की बात कही गई है।यूरोपीय अधिकारियों का कहना है कि पिछले प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने कई देशों के माध्यम से व्यापारिक गतिविधियां जारी रखी हैं। इसी कारण इस बार ऐसे देशों और कंपनियों पर भी नजर रखी जा रही है जो अप्रत्यक्ष रूप से रूस की सहायता कर रहे हैं। प्रस्ताव में कुछ रूसी कंपनियों और व्यक्तियों की संपत्तियां फ्रीज करने का प्रावधान भी शामिल है।हालांकि यूरोपीय संघ के भीतर इस पैकेज को लेकर चर्चा जारी है। कुछ सदस्य देशों ने आशंका जताई है कि नए प्रतिबंधों का असर यूरोप की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है, विशेषकर ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्र पर। इसके बावजूद अधिकांश देशों का मानना है कि रूस के खिलाफ एकजुट रुख बनाए रखना जरूरी है।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यदि यह पैकेज मंजूर हो जाता है तो रूस और यूरोपीय देशों के बीच आर्थिक संबंधों में और तनाव बढ़ सकता है। वहीं रूस ने पहले ही संकेत दिया है कि वह किसी भी नए प्रतिबंध का जवाब अपने आर्थिक और कूटनीतिक कदमों से देगा। ऐसे में आने वाले दिनों में यूरोप और रूस के बीच टकराव और गहरा होने की संभावना जताई जा रही है।

संपादक की कलम से

पानी जीवन का आधार है। मानव जीवन, कृषि, उद्योग और पर्यावरण सभी की निर्भरता जल पर है। इसके बावजूद आज दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, भूजल के अत्यधिक दोहन और जल स्रोतों के प्रदूषण ने स्थिति को और चिंताजनक बना दिया है। ऐसे समय में जल संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन चुका है। भारत में अधिकांश क्षेत्रों की जल आवश्यकताएं मानसून पर निर्भर हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप लगातार बदल रहा है। कहीं अत्यधिक बारिश हो रही है तो कहीं सूखे जैसी स्थिति पैदा हो रही है। इससे जल संसाधनों का संतुलन बिगड़ रहा है। कई शहरों और गांवों में गर्मी के मौसम में पेयजल संकट आम बात हो गई है। यह संकेत है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में समस्या और गंभीर हो सकती है।जल संरक्षण की शुरुआत व्यक्तिगत स्तर से की जा सकती है। घरों में पानी की बर्बादी रोकना, वर्षा जल संचयन को अपनाना और जल के प्रति जिम्मेदार व्यवहार विकसित करना आवश्यक है। छोटी-छोटी बचत भी बड़े परिणाम दे सकती है। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग जल की खपत को काफी हद तक कम कर सकता है।सरकारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जलाशयों, तालाबों और नदियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी नीतियां लागू करनी होंगी। शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था विकसित करना भी समय की मांग है। जल संरक्षण केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा हुआ है। पानी की कमी कृषि उत्पादन को प्रभावित करती है, उद्योगों की गति को धीमा करती है और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। इसलिए जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है।आज यदि हम पानी बचाने के लिए गंभीर प्रयास करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे सकेंगे। जल की हर बूंद अनमोल है और उसका संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। यही जिम्मेदारी भविष्य को सुरक्षित और समृद्ध बनाने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

NDA मुख्यमंत्रियों की बैठक में सुशासन और 2047 के विजन पर मंथन

केंद्र में एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के बाद आयोजित यह पहली बड़ी समन्वय बैठक है।बैठक का मुख्य फोकस 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को लेकर राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर तालमेल बनाना रहा।साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों और सुशासन के एजेंडे पर भी व्यापक रणनीतिक चर्चा की गई।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (N D A) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए साझा रणनीति तैयार करना रहा।बैठक में विभिन्न राज्यों में चल रही कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, बुनियादी ढांचा विकास, रोजगार सृजन और डिजिटल प्रशासन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने राज्यों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लाभार्थियों तक समयबद्ध पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए तकनीक आधारित प्रशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई गई।राजनीतिक दृष्टि से भी इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में केंद्र में NDA सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के बाद यह पहला बड़ा शक्ति प्रदर्शन है। भाजपा नेतृत्व राज्यों में संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों वाले राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा होने की संभावना जताई गई।बैठक के दौरान राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में लागू की जा रही नवाचार आधारित योजनाओं की जानकारी साझा की। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और शहरी विकास से जुड़े सफल मॉडलों को अन्य राज्यों में लागू करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। कई मुख्यमंत्रियों ने महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण, कौशल विकास और डिजिटल सेवाओं के विस्तार से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए। इन मॉडलों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।केंद्र सरकार ने राज्यों को निवेश आकर्षित करने और रोजगार बढ़ाने के लिए नई नीतिगत सहायता देने का संकेत दिया। बैठक में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। साथ ही हरित ऊर्जा, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित प्रशासनिक सुधारों पर भी विचार-विमर्श हुआ।इस बीच राजनीतिक गलियारों में संभावित केंद्रीय मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चाएं भी तेज हैं। कई रिपोर्टों में संकेत दिया गया है कि भाजपा संगठन और केंद्र सरकार में व्यापक बदलावों की तैयारी कर रही है। हालांकि सरकार की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।विश्लेषकों का मानना है कि यह बैठक केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। अगले वर्ष कई बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा नेतृत्व संगठनात्मक मजबूती तथा सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है। बैठक से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि NDA सरकार केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, प्रभावी प्रशासन और दीर्घकालिक विकास योजनाओं के माध्यम से देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शिंदे गुट के बीच फिर बढ़ी तल्खी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर शिवसेना के दोनों गुटों—उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना—के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। हाल के दिनों में दोनों गुटों के संभावित विलय की चर्चाओं ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी थी, लेकिन अब दोनों पक्षों के नेताओं के बयानों ने इस मुद्दे को नया विवाद बना दिया है।विवाद की शुरुआत तब हुई जब शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता अब्दुल सत्तार ने सार्वजनिक रूप से कहा कि शिवसेना के दोनों धड़ों को एक साथ आने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि महाराष्ट्र की राजनीति में बदलते समीकरणों को देखते हुए पार्टी की एकता आवश्यक हो सकती है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में शिवसेना के पुनर्एकीकरण की चर्चाएं तेज हो गईं।उधर, उद्धव ठाकरे गुट की ओर से प्रतिक्रिया भी तुरंत सामने आई। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि यदि वास्तव में एकता की इच्छा है तो शिंदे को 'मातोश्री' आकर बातचीत करनी चाहिए। वहीं, सांसद संजय राउत ने दावा किया कि शिंदे गुट के कई नेता अपनी वर्तमान राजनीतिक स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं और भविष्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में वापसी कर सकते हैं।एकनाथ शिंदे ने हालांकि सीधे तौर पर किसी विलय की पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व और विचारधारा का पालन करना है। शिंदे ने संकेत दिया कि राजनीतिक निर्णय परिस्थितियों के अनुसार लिए जाएंगे, लेकिन फिलहाल उनकी प्राथमिकता सरकार और संगठन को मजबूत करना है।इस बीच दोनों गुटों के बीच राजनीतिक खींचतान अन्य मुद्दों पर भी दिखाई दे रही है। हाल ही में कल्याण के दुर्गाड़ी किले में आयोजित 'घंटानाद आंदोलन' के दौरान दोनों शिवसेना गुटों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए थे, जिससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और स्पष्ट हो गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को देखते हुए शिवसेना की आंतरिक राजनीति महाराष्ट्र में चर्चा का प्रमुख विषय बनी रहेगी। फिलहाल दोनों पक्ष सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं, लेकिन विलय की अटकलें पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। यही कारण है कि महाराष्ट्र की राजनीति में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच यह नया विवाद आने वाले दिनों में और गहराने की संभावना रखता है।

राम मंदिर दान विवाद पर सियासत तेज आरोप-प्रत्यारोप से गरमाया राजनीतिक माहौल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान को लेकर उठे विवाद ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा राम मंदिर की दान राशि के प्रबंधन पर सवाल उठाए जाने के बाद भाजपा और सपा के बीच तीखी राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। यह मुद्दा अब केवल मंदिर प्रशासन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि प्रदेश की राजनीति का प्रमुख विषय बन गया है।अखिलेश यादव ने हाल ही में एक जनसभा के दौरान आरोप लगाया था कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान की राशि के उपयोग और उसके लेखा-जोखा को लेकर पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये के दान का हिसाब सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि लोगों के मन में किसी प्रकार का संदेह न रहे। सपा प्रमुख के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई।भाजपा ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए सपा पर धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि राम मंदिर ट्रस्ट एक स्वतंत्र संस्था है, जो निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के तहत काम करती है। ट्रस्ट के सभी वित्तीय लेन-देन का रिकॉर्ड रखा जाता है और समय-समय पर उसका ऑडिट भी कराया जाता है। भाजपा ने आरोप लगाया कि विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए मंदिर जैसे आस्था के केंद्र को विवादों में घसीटने का प्रयास कर रहा है।इस बीच राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से भी स्पष्ट किया गया है कि दान राशि के प्रबंधन में पूरी पारदर्शिता बरती जाती है। ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों ने कहा कि मंदिर निर्माण और संचालन से संबंधित सभी खर्चों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाता है तथा आवश्यकतानुसार संबंधित एजेंसियों को जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। हालांकि ट्रस्ट ने राजनीतिक आरोपों पर विस्तृत टिप्पणी करने से परहेज किया है।विवाद बढ़ने के बाद प्रदेश की राजनीति में इस मुद्दे पर बयानबाजी का दौर जारी है। सपा नेताओं का कहना है कि उन्होंने केवल पारदर्शिता की मांग उठाई है, जबकि भाजपा इसे राजनीतिक रंग देकर वास्तविक सवालों से बचने का प्रयास कर रही है। दूसरी ओर भाजपा का दावा है कि विपक्ष के पास जनहित के मुद्दे नहीं हैं, इसलिए वह धार्मिक विषयों को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अयोध्या और राम मंदिर से जुड़े मुद्दे उत्तर प्रदेश की राजनीति में हमेशा संवेदनशील रहे हैं। ऐसे में दान राशि को लेकर उठे सवालों ने राजनीतिक दलों को एक बार फिर आमने-सामने ला दिया है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और अधिक राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन सकता है, खासकर तब जब विभिन्न दल इसे अपने-अपने तरीके से जनता के बीच ले जाने की तैयारी कर रहे हैं।

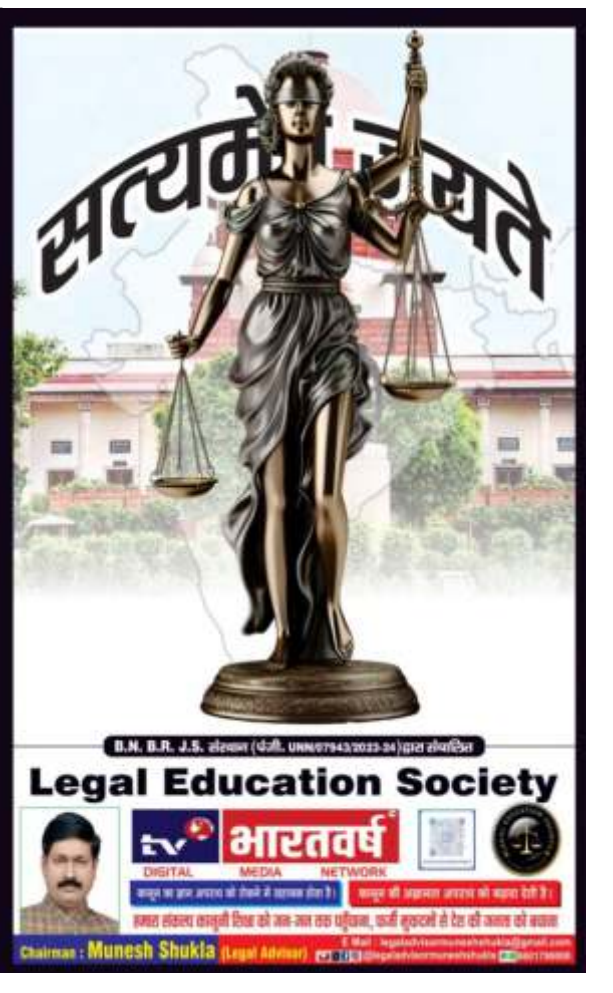

21 जून को होगी NEET UG पुनर्परीक्षा दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए स्क्राइब रजिस्ट्रेशन शुरू

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी(NTA) ने नीट यूजी 2026 री-एग्जाम की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। एनटीए ने पीडब्ल्यूडी और पीडब्ल्यूबीडी के लिए स्क्राइब डिटेल्स पोर्टल चालू कर दिया है। जो उम्मीदवार परीक्षा के दौरान स्क्राइब की सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं वे आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से तय समय-सीमा के भीतर अपनी जानकारी जमा कर सकते हैं।

नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि 3 मई को हुई परीक्षा को कुछ अनियमितताओं के आरोपों के चलते रद्द कर दिया गया था। यह परीक्षा देश और विदेश के कई केंद्रों पर पेन और पेपर मोड में आयोजित होगी। एनटीए ने परीक्षा के दौरान मदद चाहने वाले दिव्यांग उम्मीदवारों की सुविधा के लिए यह विशेष पोर्टल शुरू किया है। उम्मीदवारों को अंतिम समय की परेशानी से बचने के लिए समय से पहले रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।

पात्र दिव्यांग उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर अपने लॉग इन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके अपनी स्क्राइब डिटेल्स जमा कर सकते हैं। इसके बाद कैंडिडेट्स डैशबोर्ड पर जाकर रजिस्टर स्क्राइब डिटेल्स ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। वहां पर स्क्राइब सुविधा का चयन करके जरूरी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमा की गई जानकारी व्यू एप्लीकेशन फॉर्म सेक्शन में दिखाई देगी।

एनटीए की ओर से जारी की गई आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, स्क्राइब पोर्टल 9 जून, 2026 को खोल दिया गया है। स्क्राइब डिटेल्स जमा करने की आखिरी तारीख 12 जून, 2026 (रात 11 बजकर 50 मिनट) तक तय की गई है। वहीं नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा 21 जून, 2026 को कराई जाएगी। इस बीच एनटीए ने नीट यूजी 2026 एग्जाम सिटी स्लिप भी जारी कर दी है। इससे उम्मीदवार यह चेक कर सकते हैं कि उनका एग्जाम सेंटर किस शहर में है। यह स्लिप एडमिट कार्ड से पहले जारी की गई है ताकि कैंडिडेट्स को अपनी यात्रा और ठहरने की पहले से व्यवस्था करने में मदद मिल सके। उम्मीदवार अपने आवेदन संख्या और पासवर्ड का उपयोग करके ऑफिशियल पोर्टल से इस स्लिप को डाउनलोड कर सकते हैं।

एनटीए ने साफ किया है कि सिटी इंटीमेशन स्लिप केवल उम्मीदवारों को उनके परीक्षा शहर की जानकारी देने के लिए है इसे एडमिट कार्ड समझने की भूल न करें। नीट यूजी 2026 दोबारा परीक्षा का एडमिट कार्ड आने वाले दिनों में अलग से जारी किया जाएगा।

भारत को चीन और अमेरिका जैसे एआई के सेक्टर में तेजी से बढ़ रहे बाजार से मुकाबला करना है

AI की रेस में भारत में पिछले कुछ समय में तेजी से काम हुआ है। हालांकि, अभी भी भारत को चीन और अमेरिका जैसे एआई के सेक्टर में तेजी से बढ़ रहे बाजार से मुकाबला करना है। हालांकि, इसके लिए भारत को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। पिछले दिनों वर्ल्ड बैंक के डायरेक्टर नीलकंठ मिश्रा ने बताया कि किस तरह भारत AI की रेस में चीन और अमेरिका जैसे देशों के साथ मुकाबला कर सकता है। ये दोनों देश एआई मॉडल से लेकर एडवांस चिप डेवलप कर रहे हैं। इनका मुकाबला करने के लिए भारत को कुछ रणनीतिक बदलाव करने पड़ेंगे।ANI से बात करते हुए नीलकंठ मिश्रा ने कहा कि भारत की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करेगी कि यहां कितने एडवांस AI मॉडल बनाए जाएं, बल्कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि बड़े पैमाने पर AI का इस्तेमाल किस तरह व्यवस्थागत समस्याओं को सुलझाने के लिए किया जाए। खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर बनाने के मामले में भारत फिलहाल वैश्विक लीडर्स से पिछड़ सकता है, लेकिन देश के पास कई ऐसे सेक्टर हैं, जहां की समस्याओं को सुलझाने के लिए एआई का इस्तेमाल व्यापक तौर पर किया जा सकता है। नीलकंठ मिश्रा ने बताया कि एआई के सेक्टर में अमेरिका और चीन जैसे देशों की तुलना में भारत में रिस्क कैपिटल की उपलब्धा बेहद सीमित है। भारत की एआई कंपनियों को कुछ सौ मिलियन डॉलर का निवेश पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। वहीं, ग्लोबल एआई कंपनियां अरबों डॉलर लगा रही हैं।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का पहला मैच 12 जून को

रात 11 बजे भारत में देखा जा सकेगा ये मुकाबला

पाकिस्तान ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया,साहिबजादा संभालेंगे टीम की कमान

इस साल एशियन गेम्स 2026 का आयोजन होने जा रहा है, जिसके लिए पाकिस्तान ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी PCB ने ये जानकारी दी। PCB ने एशियन गेम्स के लिए अपनी 15 सदस्यीय मेन्स टीम की घोषणा की है। इस बार टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को सौंपी गई है, जबकि अब्दुल समद को उपकप्तान बनाया गया है। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में पाकिस्तान की नजर गोल्ड मेडल पर होगी। हालांकि, पाकिस्तान को मजबूत भारतीय टीम से कड़ी चुनौती मिलेगी। भारत की ओर से टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है, जिसमें श्रेयस अय्यर को कप्तान नियुक्त किया गया। बता दें, एशियन गेम्स 2026 का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में किया जाएगा। मेन्स क्रिकेट प्रतियोगिता T 2 0 फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी। मुकाबले आइची प्रीफेक्चर के कोरोगी एथलेटिक पार्क में आयोजित होंगे। क्रिकेट इवेंट की शुरुआत 24 सितंबर से होगी, जबकि मेडल मैच 3 अक्टूबर को खेले जाएंगे। 30 साल के साहिबजादा फरहान पाकिस्तान के लिए अब तक 46 T 2 0 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 1305 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। घरेलू क्रिकेट और T20 लीगों में लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, उपकप्तान बनाए गए अब्दुल समद पाकिस्तान के लिए पांच T20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी मौका मिला है।

बांग्लादेश ने 21 साल बाद कंगारू टीम के खिलाफ जीत हासिल की

मंगलवार को बांग्लादेश ने शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया। वनडे क्रिकेट में यह ऑस्ट्रेलिया पर बांग्लादेश की 21 साल बाद पहली जीत है। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 8 विकेट गंवाकर 50 ओवर में 284 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 42.2 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 191 रन ही बना सकी और इस तरह 86 रन से मुकाबला हार गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ 2005 की नेटवेस्ट सीरीज में हार मिली थी, जहां कार्डिफ में बांग्लादेश ने हराकर सनसनी मचा दी थी। हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस काफी निराश दिखे। उन्होंने बताया कि टीम ने चार-पांच छोटे मौके छोड़ दिए, जिसकी वजह से बांग्लादेश की टीम 284 रन के स्कोर तक पहुंच गई। जॉश इंग्लिस ने कहा कि अगर बांग्लादेश 230-240 रन के आसपास रुक जाता तो ऑस्ट्रेलिया आसानी से लक्ष्य हासिल कर सकते थे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर टीम का दिन अच्छा नहीं रहा, लेकिन नाथन एलिस ने शानदार गेंदबाजी की और एक बार फिर सभी को प्रभावित किया। आपको बता दें कि जब ऑस्ट्रेलिया 285 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी, तब 43वें ओवर में बारिश शुरू हो गई। उस समय ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट गंवाकर 191 रन बना लिए थे। इसके बाद बिजली कड़कने लगी और मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका, जिसकी वजह से डकवर्थ-लुईस नियम के हिसाब से बांग्लादेश को 86 रन से जीत दे दी गई। इस मुकाबले में मोसद्दक हुसैन को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 70 गेंदों में 86 रन की पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में सिर्फ 38 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

शुभमन गिल ने मारी छलांग, यशस्वी जायसवाल नीचे गए

आईसीसी रैंकिंग में इस बार भयंकर बदलाव नजर आ रहा है। खास बात ये है कि इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट, जो लंबे समय ये पहले नंबर की कुर्सी पर काबिज थे, उसने अब टॉप का ताज छिन गया है। वे काफी नीचे आ गए हैं। हैरी ब्रूक टेस्ट के नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। इस बीच भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी लंबी छलांग मारी है। इस बीच भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को हल्का सा नुकसान झेलना पड़ा है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक अब आईसीसी के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। हैरी ब्रूक की रेटिंग अब बढ़कर 869 की हो गई है। उन्हें इस बार एक स्थान का फायदा मिला है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक ट्रेविस हेड ने भी एक स्थान की छलांग मारी है। वे अब दूसरे नंबर पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। उनकी ताजा रेटिंग 853 की है। जो रूट पहले से अब सीधे तीसरे नंबर पर आ पहुंचे हैं। उन्हें दो स्थानों का नुकसान हुआ है। रूट की रेटिंग घटकर अब 851 की रह गई है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में रूट का बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में वे एक रन बनाकर आउट हो गए और दूसरी पारी में आठ रन बनाकर पवेलियन चले गए। इसका नुकसान उन्हें इस बार की रैंकिंग में हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर बने हुए हैं। श्रीलंका के कामेंदु मेंडिस एक स्थान के फायदे के साथ नंबर 5 पर आ गए हैं। केन विलियमसन की बात की जाए तो उन्हें भी एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे अब नंबर 6 पर चले गए हैं। उनकी रेटिंग 780 की रह गई है। केन के बल्ले से भी पिछले कुछ वक्त से रन नहीं आ रहे हैं। टेम्बा बावुमा नंबर सात पर पहले की ही तरह बने हुए हैं। इस बीच भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बात की जाए तो उन्होंने दो स्थानों की छलांग मारी है। वे अब सीधे नंबर आठ पर आ गए हैं। उनकी रेटिंग 743 की हो गई है। अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में शुभमन गिल ने 126 रनों की शानदार पारी खेली थी। यही वजह रही कि उन्हें उछाल मिला है। यशस्वी जायसवाल एक स्थान के नुकसान के साथ अब नौवें नंबर पर फिसल गए हैं। श्रीलंका के दिनेश चंदीमल एक स्थान के उछाल के साथ नंबर 10 पर आ गए हैं।

आलिया भट्ट और शरवरी की फिल्म 'अल्फा' का टीजर जारी, सोशल मीडिया पर छाया एक्शन अवतार

मुंबई, 10 जून 2026 (एजेंसी)।

बॉलीवुड की बहुप्रातीक्षित स्पाई-एक्शन फिल्म 'अल्फा' का टीजर बुधवार को जारी कर दिया गया। फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आगने वाली हैं। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और कुछ ही घंटों में लाखों लोगों ने इसे देखा। फिल्म को यशराज फिल्मस कें स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा माना जा रहा है।

करीब डेढ़ मिनट कें टीजर में आलिया और शरवरी दमदार एक्शन सीक्वेंस करती दिखाई देती हैं। फिल्म में दोनों कलाकारों को पहले कभी न देखे गए अवतार में प्रस्तुत किया गया है। टीजर के बैकग्राउंड संवाद—'अल्फा सिर्फ एक नाम नहीं, एक सोच है'—ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया है।

निर्माताओं के अनुसार फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन, अंतरराष्ट्रीय लोकेशन और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। फिल्म की रिलीज को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह था, जिसे टीजर ने और बढ़ा दिया है। अब दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर और रिलीज डेट का इंतजार है।

'टॉय स्टोरी 5' प्रीमिगर में टेलर स्विफ्ट की सरप्राइज एंट्री, प्रशंसकों में उत्साह

लॉस एंजेलिस, 10 जून 2026 (एजेंसी)।

हॉलीवुड की लोकप्रिय एनिमेटेड फिल्म 'टॉय स्टोरी 5' के प्रीमियर में उस समय उत्साह का माहौल बन गया जब विश्व प्रसिद्ध गायिका टेलर स्विफ्ट ने अचानक रेड कार्पेट पर पहुंचकर सभी को चौंका दिया।

प्रीमियर कार्यक्रम में फिल्म के प्रमुख कलाकार टॉम हैंक्स, टिम एलन और जोन क्यूसेक पहले से मौजूद थे। इसी दोरान टेलर स्विफ्ट की एंट्री ने कार्यक्रम को और भव्य बना दिया। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार टेलर स्विफ्ट ने फिल्म के लिए एक विशेष मूल गीत भी तैयार किया है। प्रीमियर के टोरान उनके प्रदर्शन ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। डिजनी-पिक्सार की यह लोकप्रिय फ्रेंचाइजी लंबे समय से दुनियाभर के दर्शकों की पसंद रही है और नई फिल्म को लेकर भी उत्साह बना हुआ है।

टेलर स्विफ्ट ने फिल्म के लिए गाया खास गाना, फैंस हुए दीवाने

फीफा विश्व कप 2026 के हाफटाइम शो में BTS की एंट्री, खेल और संगीत जगत में उत्साह

न्यूयॉर्क, 10 जून 2026 (एजेंसी)।

फीफा विश्व का 2026 के फाइनल मुकाबले में पहली बार आयोजित होने वाले हाफटाइम शो को लेकर दुनिया भर में उत्साह बढ़ता जा रहा हैं। आयोजकों ने संकेत दिया है कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में दक्षिण कोरियाई पॉप बैंड BTS, शकीरा और मैडोना जैसे वैश्विक सितारे प्रस्तुति दे सकते हैं।

फुटवॉल विश्व कप के इतिहास में पहली बार सुपर बाउल की तर्ज पर हाफटाइम मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। BTS की संभावित भागीदारी ने विशेष रूप से युवा दर्शकों में उत्साह बढ़ा दिया है।

मनोरंजन विशेषज्ञों का मानना है कि यह आयोजन खेल और संगीत उयोग के बीच एक नया अध्याय साबित हो सकता हैं। विश्व कप फाइलन को पहले ही अरबों लोग देखते हैं और हाफटाइम शो के जुड़ने से इसकी लोकप्रियता और बढ़ने की उम्मीद है।

फीफा का उद्देश्य खेल प्रतियोगिता को एक वैश्विक सांस्कूतिक उत्सव के रूप में प्रस्तुत करना है।

BTS, शकीरा और मैडोना की परफॉर्मेंस से ऐतिहासिक होगा विश्व कप का फाइनल

मनोरंजन जगत 10 जून 2026, बुधवार

शाहरुख खान की 'किंग' की शूटिंग शुरू, सुहाना खान का पहला लुक वायरल

एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म ईद 2027 पर होगी रिलीज

मुंबई, 10 जून 2026। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' की शूटिंग मंगलवार से मुंबई में शुरू हो गई है। साउथ के मशहुर दिर्वेशक एटली के विर्देशन में बन रही इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। शूटिंग शुरू होते ही फिल्म को लेकर उटसाह और बढ़ गया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर सेट से सुहाना खान की पहली इलक साझा की, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

फोटो में सुहाना एक दमदार और स्टाइशिश लुक में नजर आ रही हैं। फैंस उनके लुक और आत्मविश्वास की जमकर तारीफ कर रहे हैं। शाहरुख खान फिल्म में एक दमदार भुमिका निभाते दिखेंगे, जबकि सुहाना एक नई और प्रभावशाली किरदार में दिखाई देंगी। एटली की फिल्में अपने भव्य विजुअल्स और हाई-ऑक्टेन एकशन के लिए जानी जाती हैं, इसलिए 'किंग' से भी दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं।

शाहरुख-सुहाना की जोड़ी से फैंस को बड़ी उम्मीदें

फिल्म को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और एटली के प्रोडकशन हाउस ने मिलकर बमाया है। रिगोर्ट्स के अनुसार इसमें कई इंटरनेशानल एकशन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे और कहानी में इमौशन के साथ-साथ दमदार झामा भी देखने को मिलेगा।

फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और इसे विश्व स्तर पर रिलीज करने की योजना है।

फिल्म 'किंग' एक नजर में

- **निर्देशक :** एटली
- **मुख्य कलाकार :** शाहरुख खान, सुहाना खान
- **निर्माता :** रेड चिलीज एंटरटेनमेंट
- **शूटिंग शुरू :** 10 जून 2026
- **रिलीज डेट :** ईद 2027 (संभावित)

वेतन कटौती के विरोध में सफाई कर्मचारियों का हंगामा,

सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

लखनऊ के चिनहट क्षेत्र में एलएसए कंपनी के सफाई कर्मचारियों ने वेतन से ₹2000 कटौती और नौकरी से निकालने की धमकी के विरोध में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सड़क जाम कर नारेबाजी की। पुलिस के आश्वासन और कंपनी प्रबंधन की बातचीत के बाद मामला शांत हुआ।

लखनऊ। चिनहट क्षेत्र में कार्यरत एलएसए (LSA) कंपनी के सफाई कर्मचारियों ने वेतन कटौती और नौकरी से निकालने की कथित धमकी के विरोध में बुधवार को जमकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने गोमती नगर स्थित कंपनी के कार्यालय का घेराव किया और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सड़क जाम कर दी, जिससे कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। जानकारी के अनुसार, सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि कंपनी के सुपरवाइजर अविनाश राजपूत द्वारा उनके साथ तानाशाहीपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि बिना किसी स्पष्ट कारण के उनके मासिक वेतन से दो-दो हजार रुपये की कटौती की गई है। जब उन्होंने इस संबंध में सवाल उठाया और कटौती का कारण जानने की कोशिश की, तो उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी गई। कर्मचारियों के अनुसार, लंबे समय से वे अपनी समस्याओं को लेकर कंपनी प्रबंधन के समक्ष आवाज उठा रहे थे, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसी के चलते बुधवार को बड़ी संख्या में कर्मचारी गोमती नगर स्थित दयाल चौराहे के पास कंपनी के कार्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कर्मचारी झाड़ू लेकर सड़क पर उतर आए और दयाल पैराडाइज के निकट विकासखंड क्षेत्र में सड़क जाम कर दी। सड़क जाम होने से वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वेतन कटौती वापस लेने तथा कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना और मामले के समाधान का आश्वासन दिया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद कर्मचारियों ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया और सड़क जाम खोल दिया, जिससे यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकी। इस पूरे मामले पर एलएसए कंपनी के प्रोजेक्ट हेड अभय रंजन ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि दो सफाई कर्मचारियों के बीच आपसी विवाद हो गया था, जिसके कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। उन्होंने बताया कि कंपनी प्रबंधन और अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को समझाया गया, जिसके बाद मामला शांत हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है और कार्य सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। हालांकि कर्मचारियों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द उचित कार्रवाई नहीं की गई और वेतन कटौती का मुद्दा नहीं सुलझाया गया, तो वे आगे भी आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। वहीं पुलिस और प्रशासन की ओर से मामले की निगरानी की जा रही है ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

मोदी के 12 साल पूरे, 8 मंदिरों में अनुष्ठान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को 12 साल पूरे हो गए हैं। वह देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस मौके पर लखनऊ भाजपा नेता मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना कर रहे हैं। शहर के 8 मंदिरों में अनुष्ठान हुए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी लखनऊ के हनुमान सेतु मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर मोदी की लंबी उम्र की कामना की। प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक किया। राज्यसभा सांसद बृजलाल इमली बांध बाबा मंदिर पहुंचे। पीएम मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी नेतृत्व की कामना की। वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दिल्ली के शुभ विनायक मंदिर में पीएम के अच्छे स्वास्थ और दीर्घायु रहने के लिए विशेष अनुष्ठान किया। दिल्ली के शुभ सिद्धि विनायक मंदिर में भी प्रधानमंत्री के दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के अलावा इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, मयूर विहार के जिला अध्यक्ष विजेंद्र धामा, मंडल अध्यक्ष रोहित मल्होत्रा, मंडल महामंत्री धर्मेंद्र धामा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हजरतगंज कोतवाली पहुंची सपा

अदिति यादव पर पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई की मांग

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज कोतवाली में शिकायत दी है। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट पर नाराजगी जताई है। पोस्ट करने वालों के खिलाफ FIR दर्ज करके सख्त कार्रवाई की मांग की है लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने राज साहनी कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (फेसबुक व X) पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ अत्यंत आपत्तिजनक पोस्ट किए गए हैं । उन्होंने कहा भ्रामक और चरित्र हनन करने वाला दुष्प्रचार फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ FIR दर्ज की जाए। उन्होंने मामले से संबंधित सारे सबूत और सोशल मीडिया के स्क्रीनशॉट्स पुलिस को शेयर किये हैं। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस नें ऐसे लोगों पर कार्यवाई नहीं करेगी तो आंदोलन किया जाएगा। राज साहनी ने कहा कि हमारी भावनाएं अखिलेश यादव और उनके परिवार से सीधे जुड़ी हैं। एक बेटी के खिलाफ इतने गंभीर और निराधार आरोप लगाना बेहदशर्मनाक है। अगर सत्ता पक्ष के किसी नेता पर कोई छोटी सी भी टिप्पणी कर देता है, तो उसके ऊपर तत्काल कार्रवाई हो जाती है। मगर पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी का सोशल मीडिया पर चरित्र हनन किया जा रहा है, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रदर्शन में शामिल राम प्रकाश ने कहा भारतीय जनता पार्टी नारी शक्ति और सम्मान का नारा देती है, मगर उसी के लोग बेटियों का अपमान कर रहे हैं। बहू-बेटियों के सम्मान और सुरक्षा की बात करने वाली पार्टी के लोग एक बेटी के चरित्र का हनन कर रहे हैं। हमारे सनातन धर्म में नारी देवी का रूप है। उसे हम पूजते हैं। उसके ऊपर ऐसी टिप्पणी बिल्कुल भी स्वीकार नहीं की जाएगी। राजनीति अपनी जगह पर है। बहू बेटियों का सम्मान अपनी जगह है।

एनआरएचएम घोटाले में पूर्व कांग्रेस विधायक मुकेश श्रीवास्तव गिरफ्तार

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) से जुड़े घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में विजिलेंस टीम ने बुधवार को पूर्व कांग्रेस विधायक मुकेश श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया। टीम उन्हें लखनऊ के वेव मॉल से गिरफ्तार करके मेडिकल परीक्षण के लिए सिविल अस्पताल ले गई। विजिलेंस की जांच में सामने आया है कि वर्ष 2014 से 2019 के बीच बिना काम कराए या आंशिक काम कराकर पूरा भुगतान लिया गया था। मामले में तत्कालीन सीएमओ समेत स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों और कर्मचारियों को भी आरोपी बनाया गया है। एनआरएचएम घोटाले से प्रभावित देवीपाटन मंडल के बलरामपुर जिले में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों के बाद वर्ष 2021 में शासन ने विजिलेंस जांच के आदेश दिए थे। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज करने की संस्तुति की गई। शासन से अनुमति मिलने के बाद विजिलेंस ने बलरामपुर जिले में मुकदमा दर्ज कराया। विजिलेंस की एफआईआर में पयागपुर के पूर्व कांग्रेस विधायक मुकेश श्रीवास्तव, तत्कालीन मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. घनश्याम सिंह, डॉ. सत्यदेव, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीन कुमार, वरिष्ठ सहायक अजय कुमार श्रीवास्तव, अवर अभियंता राम मनोरथ मौर्य, कनिष्ठ सहायक पूनम सिंह तथा आरपी ग्रुप ऑफ कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव को नामजद किया गया है।

पीजीआई क्षेत्र से युवती 20 दिन से लापता

लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र से 21 मई को लापता हुई 21 वर्षीय युवती का कोई सुराग नहीं लगा है। परिजनों का आरोप है कि युवती को बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। उसका धर्मांतरण कराकर उसे सीरिया भेजने की साजिश हो सकती है। इसी मामले को लेकर राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपु ने अपनी टीम के साथ पीजीआई अस्पताल के निदेशक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी को लखनऊ पुलिस आयुक्त का घेराव कर प्रदर्शन करने जा रहे थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। मंगलवार को युवती के पिता के समर्थन में नर्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी पीजीआई थाने पहुंचे। एसोसिएशन की अध्यक्ष लता सचान, संयुक्त सचिव मनोज वर्मा, महामंत्री विवेक और मंजूलता समेत अन्य सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने युवती की जल्द और सकुशल बरामदगी और आरोपी युवक गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि परिवार गहरे तनाव में है।

KGMU में निजी पैथोलॉजी का खेल?

वार्ड में खुलेआम लिए जा रहे मरीजों के सैंपल

KGMU के यूरोलॉजी विभाग में वॉर्ड में भर्ती मरीज का निजी पैथोलॉजी के एजेंट द्वारा सैंपल लेने का वीडियो सामने आया है। इसमें निजी पैथोलॉजी के एजेंट खुलेआम वार्ड में पहुंचकर भर्ती मरीजों के खून के नमूने ले रहा हैं। हैरानी की बात यह है कि रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग ऑफिसर, टेक्नीशियन और अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी के बावजूद इन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। मरीजों और तीमारदारों का आरोप है कि निजी पैथोलॉजी के कर्मचारी वार्ड में भर्ती मरीजों से सीधे संपर्क कर जांच के लिए सैंपल ले रहे हैं। इसके बाद रिपोर्ट भी मरीज के बेड तक पहुंचाई जा रही है। रिपोर्ट देखने के बाद ही डॉक्टर मरीजों को आगे की दवाएं लिख रहे हैं। इससे अस्पताल की जांच व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कई सामान्य जांचों के लिए भी मरीजों से निजी पैथोलॉजी में अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं। सीबीसी जैसी सामान्य जांच के लिए करीब 350 रुपये तक लिए जाने के आरोप हैं। जबकि सरकारी संस्थान में ऐसी जांचें कम खर्च या निशुल्क व्यवस्था के तहत उपलब्ध होती हैं। मरीजों का कहना है कि जो लोग निजी जांच कराने में असमर्थता जताते हैं, उन्हें इलाज में परेशानी का सामना करना पड़ता है। आरोप यह भी हैं कि डॉक्टरों और निजी पैथोलॉजी संचालकों के बीच मिलीभगत के चलते यह व्यवस्था चल रही है। यूरोलॉजी विभाग में लचर व्यवस्था मरीजों की सेहत पर भारी पड़ रही है। निजी मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदने के लिए मरीजों को मजबूर किया जा रहा है। विभाग में जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं दिख रहा है। मरीजों का कहना है कि निजी जांच के लिए उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। KGMU प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाबा मिलन दास हत्याकांड में तीन आरोपी हिरासत में, दो फरार

उन्नाव के बांगरमऊ कस्बे में बाबा मिलन दास की चाकू मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। इस घटना में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि दो अन्य नामजद आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 12:55 बजे घूरे टोला निवासी बाबा मिलन दास (लगभग 45 वर्ष, अविवाहित) को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बांगरमऊ लाया गया था। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के दाहिने कंधे के पीछे चोट का निशान पाया गया है। हालांकि, मृत्यु का स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों की पुष्टि होगी। मृतक के भाई वीरेन्द्र सिंह पुत्र रामबली सिंह की तहरीर पर थाना बांगरमऊ में पांच लोगों के विरुद्ध हत्या का नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। नामजद आरोपियों में इजराइल पुत्र सकूर (पूर्विया टोला), लल्ली पुत्र दुर्गादीन (बांगरमऊ), यामीन पुत्र जाबिर, शानू पुत्र मुन्ना कालिया (मोहल्ला दरगाह शरीफ) और शफी पुत्र जान मोहम्मद शामिल हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लल्ली, शफी और यामीन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) संतोष कुमार ने बताया कि तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि शेष दो की तलाश जारी है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि घटना की निष्पक्ष जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। कहीं से भी किसी प्रकार के तनाव या शांति व्यवस्था प्रभावित होने की सूचना नहीं है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। मृतक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसके पीछे क्या वजह रही, इसका खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हो सकेगा। घूरे टोला कस्बा बांगरमऊ निवासी बाबा मिलन दास पुत्र रामबली अर्कवंशी की उम्र लगभग 45 वर्ष थी। वह अविवाहित थे और स्थानीय लोगों के बीच बाबा के नाम से जाने जाते थे। सोमवार को उन्हें घायल अवस्था में सीएचसी बांगरमऊ लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। इनमें इजराइल, लल्ली, यामीन, शानू और शफी शामिल हैं। पुलिस ने लल्ली, यामीन और शफी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि इजराइल और शानू की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। मृतक के शरीर पर दाहिने कंधे के पीछे चोट का निशान मिला है, लेकिन मौत का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों और घटना की परिस्थितियों के संबंध में स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी।

दिव्यांगों के सम्मान और अधिकारों के लिए शुक्लागंज से लखनऊ तक पदयात्रा

दिव्यांगजनों के सम्मान, अधिकारों और विभिन्न मांगों को लेकर शुक्लागंज से लखनऊ तक 'दिव्यांग सम्मान पदयात्रा' शुरू की गई। नगर कांग्रेस दिव्यांग प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य दिव्यांगों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना और उनके लिए बेहतर सुविधाओं की मांग करना है। पदयात्रा का नेतृत्व नगर कांग्रेस दिव्यांग प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष पिंटू तिवारी और प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव कर रहे हैं। कांग्रेस नगर अध्यक्ष मयंक बाजपेयी ने मुख्य अतिथि के रूप में हरी झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। मयंक बाजपेयी ने इस अवसर पर कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि यह पदयात्रा दिव्यांगों को उनका उचित हक और सम्मान दिलाने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। पदयात्रा के दौरान एक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर दिव्यांगों से जुड़ी विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपेगा। प्रमुख मांगों में दिव्यांग पेंशन को वर्तमान 1,000 रुपये से बढ़ाकर कम से कम 5,000 रुपये प्रतिमाह करना शामिल है। अन्य मांगों में बिजली के बिलों में 50 प्रतिशत की छूट, दिव्यांगों के लिए विशेष आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड उपलब्ध कराना और आवासहीन दिव्यांगों को सरकारी आवास या कॉलोनी प्रदान करना शामिल है। प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि यह यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिव्यांग समाज की आवाज को शासन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रास्ते में उन्नाव और आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में दिव्यांगजन इस पदयात्रा से जुड़ेंगे। श्रीवास्तव ने सरकार से दिव्यांगों के हित में ठोस और प्रभावी कदम उठाने की अपील की। इस कार्यक्रम में नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया। उपस्थित लोगों में बाबूलाल गुप्ता, महेश मिश्रा, शिवकिशोर प्रजापति, रंजीत कुमार, धर्मराज निषाद, सचिन कुमार, ज्योतिष कुमार, रामकुमार गौतम, नीरज गुप्ता, रूपेश, रिंकू सिंह और दीपेंद्र सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

नए गंगा पुल के लिए 22 और भवन स्वामियों को मिला मुआवजा

उन्नाव में शुक्लागंज-कानपुर के बीच निर्माणाधीन नए गंगा पुल परियोजना के तहत प्रभावित भवन स्वामियों को मुआवजा वितरण तेजी से जारी है। जिला प्रशासन ने 22 और भवन स्वामियों को मुआवजे के चेक वितरित किए। इसके साथ ही अब तक कुल 39 में से 31 प्रभावित भवन स्वामियों को भुगतान किया जा चुका है। शेष 12 भवन स्वामियों को भी जल्द ही मुआवजा राशि के चेक उपलब्ध कराए जाएंगे। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को 22 चेक वितरित किए गए, जबकि इससे पहले नौ भवन स्वामियों को भुगतान किया जा चुका था। कुल 39 भवन परियोजना की जद में आ रहे हैं। नए पुल के निर्माण कार्य को गति देने के लिए प्रशासन ने प्रभावित भवनों की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली है। राजस्व विभाग द्वारा पुल की जद में आने वाले सभी 39 भवनों का चिह्नीकरण पहले ही किया जा चुका है। अधिकारियों का कहना है कि मुआवजा वितरण की प्रक्रिया पूरी होते ही प्रभावित भवनों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। ताकि परियोजना में कोई बाधा न आए। कानपुर छोर से नए पुल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए जिला प्रशासन और तहसील प्रशासन लगातार प्रभावित लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर रहे हैं। इससे पहले तहसील प्रशासन ने पुल की जद में आने वाले भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर उनके वैध दस्तावेज, स्वामित्व संबंधी अभिलेख तथा बैंक पासबुक की प्रतियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। दस्तावेजों के सत्यापन और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही मुआवजा वितरण शुरू किया गया। प्रशासन ने प्रभावित लोगों को अपने भवन खाली करने के लिए पर्याप्त समय देने की बात कही है। अधिकारियों के अनुसार, चेक प्राप्त होने के बाद भवन स्वामियों को एक निर्धारित अवधि के भीतर मकान खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। तो प्रशासन द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में तोड़फोड़ के दौरान होने वाले किसी भी नुकसान की जिम्मेदारी संबंधित भवन स्वामी की होगी।

उन्नाव में ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई

उन्नाव में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा अवैध खनन व ओवरलोड परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी घनश्याम मीना के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स ने दो दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस दौरान ओवरलोड वाहनों, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की गई।संभागीय परिवहन अधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि जिले में दुर्घटनाओं की संख्या कम करने के उद्देश्य से टास्क फोर्स का गठन किया गया है। टीम को ओवरलोड वाहन, बॉडी बढ़ाकर चलने वाले वाहन, बिना नंबर प्लेट, बिना रिफ्लेक्टर, प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले वाहन, रॉन्ग साइड चलने वाले वाहन तथा मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।इन्हीं निर्देशों के तहत दही चौकी, बक्सर, बिहार थाना क्षेत्र और गंगाघाट के आसपास अवैध खनन एवं परिवहन की जांच के लिए सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 190 वाहनों की जांच की गई। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 9 डंपरों को सीज किया गया, जबकि 16 वाहनों का चालान किया गयाायातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की गई।

उन्नाव में चलती बाइक में लगी आग

उन्नाव के नवाबगंज क्षेत्र में बुधवार दोपहर जैतीपुर रेलवे स्टेशन के पास सड़क पर दौड़ रही एक बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बाइक आग का गोला बन गई, जिससे आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, क्योंकि बाइक चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक सामान्य गति से सड़क पर चल रही थी। तभी अचानक वाहन से धुआं निकलने लगा। चालक कुछ समझ पाता, इससे पहले ही बाइक में आग लग गई और लपटों ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने के कारण चालक को तुरंत बाइक रोककर नीचे उतरना पड़ा। स्थानीय लोगों ने आग लगने का संभावित कारण बैटरी में शॉर्ट सर्किट बताया है। आशंका है कि बैटरी से निकली चिंगारी ने पेट्रोल और अन्य ज्वलनशील हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कुछ ही सेकंड में पूरी बाइक जलने लगी। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना के समय सड़क पर मौजूद लोगों ने शोर मचाकर अन्य राहगीरों को सतर्क किया। कुछ लोगों ने आग बुझाने का प्रयास भी किया, लेकिन तब तक लपटें काफी विकराल हो चुकी थीं। आग और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे कुछ समय के लिए आसपास का यातायात भी प्रभावित हुआ। देखते ही देखते बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई। आग बुझने के बाद वाहन केवल लोहे के ढांचे में तब्दील नजर आया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और काफी देर तक इस विषय पर चर्चा होती रही। इस घटना का वीडियो एक राहगीर ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में बाइक को पूरी तरह जलते हुए देखा जा सकता है।

उन्नाव के 12 केंद्रों पर परीक्षा, DM-SP ने केंद्रों का निरीक्षण किया

उन्नाव में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती (एनरोलमेंट-2025) लिखित परीक्षा का दूसरा दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हो रहा है। जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 3662 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग परीक्षा को निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को गहन जांच और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। बुधवार सुबह से ही विभिन्न केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखी गईं। आगरा, लखनऊ सहित प्रदेश के कई जनपदों से अभ्यर्थी परीक्षा देने उन्नाव पहुंचे हैं। परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल के साथ-साथ मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी भी लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह स्वयं व्यवस्थाओं पर नजर रख रहे हैं। अटल बिहारी इंटर कॉलेज, डीएसएन इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ओपीडी इंटर कॉलेज, श्यामलाल इंटर कॉलेज, एसएवी इंटर कॉलेज और अचलगंज सहित कुल 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है: पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक।

तेलंगाना पुलिस की बड़ी सफलता, सोने-चांदी संग नेपाल भाग रहे तीन आरोपी रामपुर में गिरफ्तार

पुलिस को जानकारी मिली है कि ये तीनों करीब डेढ़ माह पहले तेलंगाना पहुंचे थे। वहां पहले से मौजूद नेपाल निवासी सुरेश ने तीनों को बड़े व्यापारी के यहां घरेलू नौकर के रूप में रखवाया था। जहां तीनों ने एक महीने काम किया। परिवार के बाहर कहीं घूमने जाते ही माल बटोरकर वहां से भाग निकले।

तेलंगाना के एक बड़े व्यापारी के यहां से सोना-चांदी और गहने चुराकर भाग रहे नेपाल के एक शख्स को पत्नी और साली के साथ बिलासपुर थाने की पुलिस और एसओजी ने दबोच लिया। इनकी गिरफ्तारी उत्तराखंड बॉर्डर के पास से गुजरती एक बस से की गई। पुलिस के मुताबिक इनके पास से सात किलो सोने, एक किलो चांदी के जेवर, सोने-चांदी के बिस्कुट और सिक्के मिले हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 12 करोड़ रुपये है। मंगलवार सुबह हुई इस कार्रवाई के दौरान तेलंगाना पुलिस भी स्थानीय टीम के साथ थी। एसपी सोमेंद्र मीणा ने रामपुर पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्त में आए लोगों में नेपाल निवासी कमल शाही, उसकी पत्नी विमला शाही और साली कल्पना शाही हैं। ये तीनों तेलंगाना के साइबराबाद जिले के गची बाउली में एक बड़े व्यापारी के घर नौकर के रूप में काम कर रहे थे।

सात जून की रात इन्होंने व्यापारी परिवार के बाहर जाते ही घर में चोरी की और बैग में सारा माल भरकर नेपाल भागने की फिराक में थे। मामला हाईप्रोफाइल होने के कारण तेलंगाना पुलिस चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने के साथ सर्विलांस की मदद से इनके पीछे लग गई। मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर आगे बढ़ रही तेलंगाना पुलिस से मिली सूचना के आधार पर रामपुर एसओजी सोमवार देर रात से बिलासपुर क्षेत्र में उत्तराखंड जा रही बसों व अन्य वाहनों की चेकिंग में लग गई। कुछ समय बाद तेलंगाना पुलिस भी वहां पहुंच गई। संयुक्त पड़ताल के दौरान इन तीनों को एक बस से गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी के मुताबिक साजिश के हिसाब से इन तीनों की उत्तराखंड से नेपाल जाने की तैयारी थी। उन्होंने बताया कि गिरफ्त में आए तीनों लोग नेपाल के पलिया गांव, मोतीपुर थाना और कईलाल जिले के निवासी हैं। अब तेलंगाना पुलिस बुधवार को कोर्ट से इनका ट्रांजिट रिमांड लेगी और उसके बाद तीनों को अपने साथ ले जाएगी। तब तक यह रामपुर पुलिस की निगरानी में हैं। तेलंगाना पुलिस भी साथ है। इनसे बरामद सामान की सुरक्षा के लिए अलग से पुलिस टीम लगाई गई है। पुलिस के मुताबिक तेलंगाना में बड़े व्यापारी के घर से कीमती जेवर और सोना-चांदी चुराकर भागने वालों ने अपना अपना मोबाइल बंद नहीं किया था। इससे वे तेलंगाना पुलिस के रडार पर आ गए। तेलंगाना पुलिस ने लगातार लोकेशन ट्रेस करती रही। सूचना मिलते ही रामपुर पुलिस के सक्रिय होने से तीनों के उत्तराखंड में दाखिल होने से पहले ही दबोचने में कामयाबी मिल गई। पुलिस को जानकारी मिली है कि ये तीनों करीब डेढ़ माह पहले तेलंगाना पहुंचे थे। वहां पहले से मौजूद नेपाल निवासी सुरेश ने तीनों को बड़े व्यापारी के यहां घरेलू नौकर के रूप में रखवाया था। जहां तीनों ने एक महीने काम किया। माना जा रहा है कि इस एक माह में तीनों ने सेवा का नाटक करके व्यापारी परिवार का भरोसा जीत लिया। साथ ही घर में रखे जेवर और अन्य कीमती सामान का ठिकाना जान लिया। परिवार के बाहर कहीं घूमने जाते ही माल बटोरकर वहां से भाग निकले।

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव के लिए फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी गई

उत्तर प्रदेश में होने वाले पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। जिला स्तर पर अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इससे पहले पंचायत मतदाताओं को नौ अंक का पहचान नंबर मिल गया है। दावे-आपत्तियों के निस्तारण और सत्यापन के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की गई है। अनंतिम मतदाता सूची आयोग ने 18 दिसंबर 2025 को प्रकाशित की थी। इसके बाद मतदाता सूची में करीब 1.81 नए मतदाता जोड़े गए थे और मतदाता सूची से करीब 1.41 करोड़ मतदाताओ के नाम हटाए गए थे। पंचायत चुनाव मतदाता सूची में करीब 40.19 लाख वोटर्स की बढ़ोतरी हुई है। अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद अब पंचायत चुनाव गतिविधियां तेज हो सकती हैं। कई जिलों में मतदाता सूची के डाउनलोडिंग में लोगों को समस्या हो रही है। तकनीकी खामी के कारण मतदाता सूची डाउनलोड में समस्या हो रही है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए इस बार मतदाताओं को नया नौ अंकों का पहचान नंबर दिया गया है। ये नौ अंकों का नंबर नया स्टेट वोटर नंबर है, जिससे पहचान और चुनावी प्रबंधन की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित तरीके से हो सकेगी। इसके तहत मतदाताओं का फोटो सहित ब्योरा ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा। कोई भी व्यक्ति दो बार वोट नहीं डाल सकेगा। मोबाइल एप की मदद से मतदाता की पोलिंग बूथ पर फोटो खींचते ही यह पता चल जाएगा कि इसने पहले वोट डाल दिया है। पहली बार आयोग पंचायत चुनाव में तकनीक का प्रयोग करेगा।

संदिग्ध हालात में युवक का शव मिला, छह बहनों के इकलौते भाई की मौत से परिवार में कोहराम

मिर्जापुर के लालगंज थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि नहर के किनारे युवक का शव पड़ा हुआ था, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस को युवक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। बताया जा रहा है कि युवक घर में कमाने वाला इकलौता इंसान था और उसकी छह बहने हैं। युवक के मौत की खबर सुनकर परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार की सुबह लहंगपुर स्थित नहर के समीप से एक युवक का शव बरामद हुआ है। युवक की पहचान गांव के ही रहने वाले सूर्य बली के इकलौते बेटे किशन के रूप में हुई है। नहर के पास ही स्थित विद्युत केंद्र के पास उसका शव पड़ा हुआ था। सुबह ग्रामीणों ने जब शव को देखा तो उन्होंने इसकी जानकारी मृतक युवक के परिजनों को दी, जिसके बाद घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों में चीख पुकार मच गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की तो युवक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए। मृतक के पिता ने बताया कि वह घर में कमाने वाला इकलौता इंसान था और उनकी 6 बेटियां हैं। वहीं, युवक की मौत के बाद उसकी बहनों का रो-रोकर बुरा हाल था। 'अब हम राखी किस बंधेंगे' बोलकर उसकी बहानें दहाड़ मार कर रो रही थी। इस मंजर को देखने के बाद ग्रामीणों का भी हृदय पसिज गया। घटना की जानकारी के बाद एडिशनल एसपी राजकुमार मीणा और क्षेत्राधिकारी अमर बहादुर घटना स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने मौके का मुआयना किया। अधिकारियों ने बताया कि युवक के पैर में बिजली के करंट से जलने के निशान दिख रहे हैं। वहीं, उसके सिर और पीठ पर भी चोट के निशान हैं। पुलिस ने बताया कि बीती रात आंधी तूफान आया था और युवक खाना खाकर घर से टहलने निकला था, जिसके बाद से वाह लापता हो गया था। क्षेत्राधिकारी अमर बहादुर ने बताया कि मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसके साथ ही परिजनों द्वारा तहरीर प्राप्त की जा रही है। फिलहाल, युवक की मौत दुर्घटना लग रही है, लेकिन पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

सीतापुर में भाजपा नेता सुखदीप सिंह को गोली मारी, पंचायत चुनावी रंजिश का आरोप

यूपी के सीतापुर में भाजपा नेता सुखदीप सिंह को देर शाम बाइक सवार तीन हमलावरों ने गोली मार दी। पीठ में गोली लगने से भाजपा नेता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बता दें कि सुखदीप सिंह भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री हैं। घटना के पीछे पंचायत चुनाव को लेकर रंजिश बताई जा रही है। भाजपा नेता सुखदीप को हमलावरों ने उस समय गोली मारी जब वह अपने पुराने घर से नए घर जा रहे थे। भाजपा नेता सुखदीप को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। हमले के पीछे अजय यादव,धर्मेंद्र यादव और अरूण यादव का हाथ होना बताया जा रहा है। एसपी अंकुर अग्रवाल के मुताबिक, घायल सुखदीप के खिलाफ पहले से चार मुकदमे दर्ज हैं। यह पूरा मामला हरगांव थाना क्षेत्र बनिहार गांव का है। बताते चलें कि बनिहार गांव के रहने वाले सुखदीप सिंह भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री हैं। मंगलवार शाम को वह अपने पुराने घर से नए घर को जा रहे थे, तभी घर से कुछ दूरी पर चुनावी रंजिश रखने वाले अजय यादव, धर्मेंद्र यादव और अरूण यादव एक ही बाइक पर सवार होकर पहुंचे और सुखदीप को रोककर जान से मारने की नीयत से दो राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली सुखदीप सिंह की पीठ में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। घायल सुखदीप को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।